to go into the question afresh again, as the hon. Member has already explained, to meet the immediate requirements, the Government is actively considering the import of a few more traction motors.

SHRI NARAYAN CHOUBEY: Mr. Speaker, Sir.

MR. SPEAKER: No, please. It is enough.

Bridge over Ganga in Bihar

*267. SHRI RAM VILAS PASWAN: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

a) whether Government of Bihar have sent to the Central Government a report with their recommendation in connection with construction of a bridge over the Ganga near Bhagalpur in Bihar;

(b) if so, when and the details of the recommendations; and

(c) the time by which construction work on this bridge is likely to be started?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI BUTA SINGH): (a) to (c). Yes, Sir. The bridge however falls on a State road. The Bihar Government are therefore essentially concerned with all matters pertaining to this bridge including its commencement, completion and recommendations emanating from the techno-economic study of the project sent by them in May 1979 stressing the need for the construction of a high level bridge between Mokameh and Farakka.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष जी, यह सरकार का जवाब है । यदि आप इसको देखें, तो जितने सूबे हैं और उसमें जो बिहार सरकार का स्थान है और वहां पर इतनी सारी नदियां हैं--गंगा का भयंकर प्रकोप है, कोसी का भयंकर प्रकोप है और बड़ी गण्डक का प्रकोप है और अभी तक सिर्फ एक मोकामा पुल है। पटना में जो गंगा पुल बन रहा है, उसमें भी स्टेट और सैंटर का मामला है और ये लोग इसको लटकाए हुए हैं और वह काम भी पूरा नहीं हो रहा है ....(**व्यवधान**).... यह कोई व्यक्तिगत सवाल नहीं है, यह सवाल राज्य से और जनता से संबंधित है और बिहार सरकार के पास इन्होंने जवाब भेजा है । मेरा पहला प्रश्न यह है कि क्या बिहार सरकार ने बिहार में भागलपुर के निकट गंगा नदी पर पुल निर्माण के संबंध में अपनी सिफारिशों सहित कोई प्रतिवेदन भेजा है या नहीं ? मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि यदि बिहार सरकार के पास फण्ड होता, आर्थिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ रहती तो केन्द्रीय सरकार के पास सिफारिश क्यों करती । केन्द्रीय सरकार के पास सिफारिश करने का मतलब यही है कि बिहार सरकार की वित्तीय स्थिति कमजोर है। बिहार सरकार इस पोजीशन में नहीं है कि वह पुल के निर्माण का काम करे । इसलिए मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार इसको राष्ट्रीय दृष्टिकोण से, चूंकि एक ही जिले के दो भाग हो जाते हैं । अध्यक्ष महोदय, चूंकि मंत्री जी वहां के नहीं हैं...

MR. SPEAKER: Don't try to teach him geography.

श्री राम विलास पासवान : इसलिए मैं उनको भौगोलिक स्थिति बतला रहा हूं ।

अध्यक्ष महोदय : यह उनको पता होना चाहिए ।

श्री राम विलास पासवान: चूंकि एक जिले के दो भाग हैं । भागलपुर इस पार भी है, श्री भागवत झा आजाद यहां बैठे हुए हैं, और उस पार में भी है । . . .

MR. SPEAKER: You are spoiling the whole thing.

श्री राम विलास पासवान : मैं सरकार से पूछना चाहता हूं--क्या सरकार इस पुल की आवश्यकता को महसूस करते हुए केन्द्रीय सहायता दे कर इस के निर्माण का काम करायेगी ?

SHRI BUTA SINGH: As stated in the main reply, the question of constructing a bridge between Mokameh and Farakka was taken up on the recommendation of the State Government. But, Sir, as stated in the main reply, all the schemes including national highways and the bridges to be taken up in the Sixth Plan were deleted from the Plan. Therefore, the question of taking up this bridge separately or specially does not arise at this moment.

Sir, the hon. Member has said that Bihar is deprived. Consideration is never State-wise. All roads and bridges of national importance are viewed from the national point of view and it does not matter even if more than one or two bridges or roads are falling in one State. The consideration is in the overall national interest and not in the interest of a State.

श्री रामविलास पासवान :अध्यक्ष महोदय; मैंने यह नहीं कहा था कि बिहार राज्य निर्धन है । मैंने कहा था कि बिहार सरकार ने पुल के सम्बन्ध में आप के पास अपनी परियोजना भेजी है । इस का मतलब है कि बिहार सरकार के पास वित्तीय साधनों का अभाव है । या तो केन्द्रीय सरकार कह दे कि इस पुल की कोई आवश्यकता नहीं है, लोगों को इस की जरूरत नहीं है, लेकिन यदि सरकार समझती है कि लोगों को इस की जरूरत है तो मैं जानना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार इस के लिये क्या कर रही है ? अध्यक्ष महोदय, यह मेरा पहला प्रश्न था, मैं चाहता हूं कि पहले इस का जवाब दिलवाया जाय, तब दूसरा प्रश्न पूछूं ।

अध्यक्ष महोदय : वह पूछना चाहते हैं कि आप इसके लिये पैसा देंगे या नहीं ?

श्री बूटा सिंह : इस के लिये पहले प्लानिंग कमीशन से एप्रूवल होनी चाहिये, जो अभी नहीं हुई है ।

श्री रामविलास पासवान : इन्होंने अपने जवाब में कहा है--"इस पुल के सभी मामलों के बारे में बिहार सरकार ही मुख्य रूप से संबंधित है जिस में इस के निर्माण को शरू करना, निर्माण कार्य को पूरा करना, मई, 1979 में परियोजना के बारे में तकनीकी-आर्थिक अध्ययन के उपरांत प्रस्तुत सुझाव जिस में मोकामा और फरक्का के बीच हाई लेवल पुल के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया गया ।"

मेरा प्रश्न है--क्या यह तकनीकी और आर्थिक अध्ययन कराया गया है या नहीं ? यदि कराया गया है तो कितना खर्च लगेगा और वह कब तक पूरा होगा ?

SHRI BUTA SINGH: Based on the techno-economic survey made with the help of the Railway Ministry, the estimate worked out is that if the bridge is at Sultanganj, its cost will be to the tune of Rs. 31.45 crores but if it is to be located at Bhagalpur, then the cost will be to the tune of Rs. 32 56 crores.

SHRI BHAGWAT JHA AZAD: Sir, I am sorry the question relating to my constituency has been put in a wrong way. He does not get a favourable reply. I am sorry to say so. I want to know from the hon. Minister whether it is a fact that the hon. Minister for Shipping and Transport once in last session and once in this very session has said that the desirability of a bridge at Bhagalpur, the headquarters of my constituency, is an essentiality. But, for want of funds, it is not being done. I would like to know whether, in view of the importance of the backwardness of this area, in view of the backwardness of the State and in view of the Government's acceptance of the desirability of the bridge, whether the Minister will favourably consider this and impress on the Planning Commission that it should be taken up in the present Plan. I think this is a proper way.

PROF. N. G. RANGA: The difference is only one crore of rupees.

SHRI BUTA SINGH: The hon. Member's suggestion will be taken into consideration.